प्रेषक,

ऋषिरेन्द्र कुमार,
विशेष सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

उद्योग निदेशक,
कानपुर, उ0प्र0।

आई0टी0 एवं इलेक्ट्रानिक्स अनु0-1 लखनऊ: दिनांकर: 04 फरवरी, 2021

विषय:- इन्क्यूबेटर्स को बढ़ावा देने तथा स्टार्ट-अप्स के लिए प्रारम्भिक निधि(सीड.फण्ड) में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रबन्ध निदेशक, यूपीएलसी के पत्र संख्या-यूपीएलसी:आईटीएण्ड: स्टार्टअप पॉलिसी:2020-21, दिनांक 14 जनवरी, 2021 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में इन्क्यूबेटर्स को बढ़ावा देने तथा स्टार्ट-अप्स के लिए प्रारम्भिक निधि (सीड-फण्ड) में प्राविधानित धनराशि रू0 05.00 करोड (रूपये पांच करोड मात्र) को निदेशक उद्योग के निर्वतन पर रखे जाने एवं प्रबन्ध निदेशक, यूपीएलसी द्वारा आहरित कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(1) उक्त स्वीकृत धनराशि आहरण हेतु वित्त(लेखा) अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या-ए-2-1637/दस-14(1)/75, दिनांक 26-06-1975 के वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5, भाग-1 के प्रपत्र संख्या-6(ए) (संशोधित) द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर प्रबन्ध निदेशक, यू0पी0 इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन लि0 लखनऊ द्वारा बिल बनाकर उसे संयुक्त निदेशक, उद्योग, लखनऊ मण्डल, लखनऊ को प्रतिहस्ताक्षर हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

(2) उद्योग निदेशक द्वारा वित्त विभाग के आदेश संख्या-.बी-1-417/10-2013-16/94, दिनांक 26 फरवरी, 2013 में दी गयी प्रक्रियानुसार सेंट्रल सर्वर के माध्यम से सम्बन्धित कोषागार को बजट आवंटन भेजे जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

(3) उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए स्वीकृत किया जा रहा है।

(4) उक्त स्वीकृत धनराशि के व्यय के उपरान्त उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन लि0, लखनऊ द्वारा उपयोगिता प्रमाण-पत्र महालेखाकार, उ0प्र0, उद्योग निदेशक, कानपुर तथा शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

(5) स्वीकृत धनराशि का आहरण राज्यकोष से तात्कालिक आवश्ययकता के आधार पर ही किया जायेगा।

(6) किसी परिस्थिति में धनराशि को पूर्व से आहरित करके एकमुश्त पी0एल0ए0/बैंक खाते/अन्य किसी खाते में नहीं रखा जायेगा।

(7) स्वीकृत धनराशि व्यय किये जाने के पूर्व वित्त(आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 24-03-2020, 07-04-2020 व 11-04-2020 तथा 18-05-2020 द्वारा दिशा-निर्देशों को पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(8) उक्त धनराशि के सदुपयोग की समीक्षा अपर मुख्य सचिव, आई0टी0 एवं इले0 विभाग द्वारा समय-समय पर की जायेगी।

(9) उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-7, उद्योग विभाग (भारी एवं मध्यम उद्योग) के अन्तर्गत लेखाशीर्ष-2852-उद्योग,07-दूर संचार तथा इलेक्ट्रानिक उद्योग, 202-इलेक्ट्रानिक्स, 05-इन्क्यूबेटर्स को बढावा देने तथा स्टार्ट-अप के लिए प्राराम्भिक निधि (सीड-फण्ड), 42-अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-6 के आशा0 संख्या-ई-6-93/दस-2021, दिनांक 01-02-2021 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय
ऋषिरेन्द्र कुमार
विशेष सचिव।

संख्या-04/2021/153(1)/78-1-2021तददिनांक।

उपर्युक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), प्रथम एवं द्वितीय, उ0प्र0 प्रयागराज।
2. प्रधान महालेखाकार(लेखा.परीक्षा) प्रथम एवं द्वितीय, उ0प्र0 प्रयागराज ।
3. निदेशक, कोषागार, जवाहर भवन लखनऊ।
4. निदेशक, वित्तीय सांख्यकीय निदेशालय, जवाहर भवन लखनऊ।
5. मुख्य कोषाधिकारी, कलेक्ट्रेट लखनऊ, उ0प्र0।
6. संयुक्त निदेशक, उद्योग लखनऊ मण्डेल, लखनऊ।
7. प्रबन्ध निदेशक, यूपी इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन लि0, लखनऊ।
8. राज्य समन्वयक सेन्टर फार ई-गवर्नेन्स लखनऊ।
9. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-6/नियोजन अनु0-4
10. वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/लघु उद्योग अनु0-3/औद्योगिक विकास अनु0-2
11. आई0टी0 एवं इलेक्ट्रानिक्स अनुभाग-2 उ0प्र0 शासन।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
बराती लाल
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in